मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 20 अप्रैल 2018

तीनों सेनाओं के साथ अब कोस्टल गार्ड के जवानों

और अफसरों को भी पढ़ाएगा जेएमआई

जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः देश का अकेला ऐसा विश्वविद्यालय है जो तीनों सेनाओं के जवानों, अफसरों को बी ए – एम ए की पढ़ाई करने की सुविधा प्रदान करता है और आज उसने इसका विस्तार करते हुए कोस्टल गार्ड के लिए भी अपने दरवाज़े खोल दिए।

इस संदर्भ में जेएमआई और कोस्टल गार्ड के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

कोस्टल गार्ड के मुख्य निदेशक गुरूउपदेश सिंह ने इस अवसर कहा कि इस जेएमआई की इस योजना से तटीय रक्षक के जवानों को अपनी अधूरी रह गई पढ़ाई को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोस्टल गार्ड में 12 वीं कक्षा पास, 19 साल के लड़कों की जवान के तौर पर भर्ती होती है और अफसर बी ए शिक्षा प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि 19 साल में भर्ती होने वाले जवानों की रिटायरमेंट भी 30 से 35 साल की उम्र में हो जाती है।

श्री सिंह ने कहा कि जेएमआई के साथ हुए इस क़रार से कोस्टल गार्ड के जवान और अफसरों को आगे की पढ़ाई करके सेवा में रहते हुए अच्छे अवसर मिलने के साथ ही रिटायर होने के बाद भी दूसरा अच्छा रोज़गार मिलने में असानी होगी।

जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने कहा कि देश की रक्षा से जुड़ी चारों शाखाओं को बी ए और एम ए की पढ़ाई के अवसर प्रदान करके विश्वविद्यालय अपने को बहुत गौरांवित महसूस कर रहा है।

प्रो अहमद ने कहा कि स्वतंत्रा आंदोलन से जुड़ने वाला जेएमआई देश का सबसे सक्रिय विश्वविद्यालय था और उस समय जंग ए आज़ादी में हिस्सा लेने के लिए अंग्रेजों ने किसी

विश्वविद्यालय से सबसे अधिक लोगों को जेल में डाला तो वह जेएमआई ही था। यह तथ्य रिकार्ड में दर्ज हैं।

इस सहमति पत्र को अंजाम देने में जेएमआई के इंटरनेशनल रिलेशन के कोआर्डिनैटर मुकेश रंजन ने महती भूमिका निभाई

सहमति पत्र पर कोस्टल गार्ड के मुख्य निदेशक गुरूपदेश सिंह ने और जेएमआई के रजिस्ट्रार ए पी सिद्दीकी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कोस्टल गार्ड के बहुत से अधिकारी और जेएमआई के प्रो वाइस चांसलर प्रो शाहिद अशरफ सहित कई विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

प्रोफेसर साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर